हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

बुधवार, 18 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 106 04 पेज, मूल्य ₹1.00

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से उनके सरकारी आवास पर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने शिष्टाचार भेंट की।

बिहार: 13 नवंबर से शुरू होगा विश्व प्रसिद्ध 'सोनपुर मेला'

पटना, एजेंसी।

बिहार की राजधानी पटना से करीब 25 किलोमीटर दूर सारण जिले के सोनपुर के हरिहर क्षेत्र में प्रतिवर्ष लगने वाला विश्वविख्यात सोनपुर मेला का आयोजन 13 नवंबर से शुरू होगा।

प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर लगने वाला सोनुपर पशु मेला एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है। यह मेला भले ही पशु मेला के नाम से विख्यात है लेकिन इस मेले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां सूई से लेकर अन्य सामान की खरीददारी की जा सकती है। इस वर्ष यह मेला 13 नवम्बर से शुरू होगा और 14 दिसम्बर को खत्म होगा। स्थानीय स्तर पर इस मेले को 'छत्तर मेला' भी कहा जाता है।

विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेला में इस बार बाइक राइडिंग, प्रसिद्ध हस्तियों का टॉक शो एवं स्टार कलाकारों की शानदार प्रस्तुति होगी। इस साल फुटबॉल और क्रिकेट के साथ-साथ नए एडवेंचर स्पोर्ट्स भी मेले का हिस्सा होंगे। पुस्तक मेला के आयोजन के लिये प्रयास किया जा रहा है। मेले का प्रचार-प्रसार पूरे जोर-शोर से किया जाएगा। मेले में आयोजित दैनिक कार्यक्रमों को लोगों तक पहुचाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया जाएगा। मेला को वृहत स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से ■ शेष पेज 04 पर

खास खबर

पुलिस अपराधियों को नहीं छोड़ेगी: राजभर

सुलतानपुर। जिले के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर दोहराया पुलिस के ऊपर कोई फायरिंग करेगा तो वह माला-फूल नहीं बरसाएगी। उसका आधार कार्ड नहीं मांगेगी,कि देखे किस जाति के हो। पुलिस अपने बचाव के लिए गोली चलाएगी।मंगलवार को सुभासपा अध्यक्ष और मंत्री राजभर सुल्तानपुर दौरे पर थे। सराफा डकैती कांड में पांच सितंबर को ढेर मंगेश यादव एनकाउंटर पर मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। कहा,गाजीपुर के शैलेश राजभर को लगी गोली पर अखिलेश और राहुल क्यों चर्चा नहीं करते ।

केजरीवाल का इस्तीफा चुनावी चाल: मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा राजनीतिक पैंतरेबाजी है। उन्होने कहा कि श्री केजरीवाल के लंबे समय तक जेल में रहने के कारण दिल्ली की जनता समस्यायों से ग्रसित रही है। इसका जवाब कौन देगा।सुश्री मायावती ने एक्स पर लिखा श्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा दिल्ली के सीएम पद से अब इस्तीफा देना वास्तव में जनहित/ जनकल्याण से दूर इनकी चुनावी चाल व राजनीतिक पैंतरेबाजी, किन्तु उनके लम्बे समय तक जेल में रहने के कारण दिल्ली की जनता ने जो अनगिनत असुविधाएं व समस्याएं झेलीं हैं उसका क्या। उसका हिसाब कौन देगा।उन्होने कहा सत्ता व विपक्ष के बीच राजनीतिक लड़ाई शत्रुता स्तर तक कटू नहीं हो तो बेहतर ताकि उससे देश व जनहित प्रभावित ना हो।

मोदी करेंगे हरियाणा में तीन रैलियां

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोनीपत, हिसार और पलवल में रैलियां करेंगे। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मोहन बड़ौली ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री 26 सितंबर को सोनीपत में और हिसार तथा पलवल में दो अक्टूबर को रैली करेंगे।उन्होंने बताया कि इसके अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत राष्ट्रीय नेता भाजपा प्रत्याशियों के प्रचार के लिये आयेंगे।श्री बड़ौली ने बताया कि पार्टी का चुनावी घोषणापत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा बुधवार को रोहतक में जारी करेंगे।

नहीं चलेगा बुलडोजर!

देशभर में बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, कहा- हमारी अनुमति से ही लें एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर कहा कि बिना उसकी अनुमति किसी भी आपराधिक मामले में राज्यों द्वारा आरोपी की संपत्ति नहीं गिराया जाएगा।न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता जमीयत उलमा ए हिंद की याचिका पर यह आदेश पारित करते हुए कहा कि ऐसी कार्रवाई (आपराधिक मामले के आरोपी की अचल संपत्ति गिराना) संविधान की भावना के विरुद्ध है। पीठ ने दो सितंबर के उसके आदेश के बाद दिए गए बयानों पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उसने बुलडोजर के इस्तेमाल पर दिशा-निर्देश बनाने का संकेत दिया गया था। पीठ ने कहा कि उसके आदेश के बाद भी ऐसे बयान ■ शेष पेज 04 पर

बिना कोर्ट की इजाजत 1 अक्तूबर तक देश में नहीं होगी बुलडोजर कार्रवाई

महिलाओं को नाइट शिफ्ट करने से नहीं रोक सकते: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली , एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि किसी भी कामकाजी महिला को यह नहीं कहा जा सकता कि वह रात में काम नहीं करे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति जे बी पादीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कोलकाता में नौ अगस्त को एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मुकदमे में 'स्वतः संज्ञान' सुनवाई के दौरान सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर पश्चिम बंगाल सरकार की एक ■ शेष पेज 04 पर

बुलडोजर पर शीर्ष अदालत के आदेश से कांग्रेस-सपा खुश

लखनऊ , एजेंसी।

उत्तर प्रदेश समेत देश के अन्य राज्यों में आपराधिक तत्वों पर बुलडोजर की कार्रवाई के मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने स्वागत किया है और कहा है कि शीर्ष अदालत का यह फैसला भाजपा सरकारों की बुलडोजर नीति को आइना दिखाने वाला है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट किया भाजपा सरकारों की अन्यायपूर्ण और अमानवीय 'बुलडोजर नीति' को आईना दिखाने वाला माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है। ऐसी बर्बर कार्रवाइयों के जरिये स्देश के कानून पर बुलडोजर चलाकरस इंसानियत और इंसाफ को रौंदने वाली नीति एवं नीयत पूरे देश के सामने बेपर्दा हो चुकी है। वे समझते हैं ■ शेष पेज 04 पर

मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय गठबंधन क्वाड के चौथे शिखर-सम्मेलन तथा न्यूयॉर्क में भविष्य पर शिखर-सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 सितंबर को तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका रवाना होंगे।विदेश मंत्रालय के अनुसार श्री मोदी यात्रा के दौरान, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, की मेजबानी में विलमिंगटन, डेलावेयर में 21 सितंबर को होने वाले चौथे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।उल्लेखनीय है कि इस वर्ष क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत को करनी थी लेकिन अमेरिकी पक्ष के अनुरोध के बाद, भारत 2025 में अगले क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए सहमत हो गया है।क्वाड शिखर सम्मेलन में, चारों देशों के नेता पिछले एक वर्ष में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के देशों को उनके विकास लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायता करने के लिए आने वाले वर्ष के लिए एजेंडा निर्धारित करेंगे।विदेश मंत्रालय के अनुसार 23 सितंबर को प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करेंगे। शिखर सम्मेलन का विषय 'बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान' है।

शून्य से शिखर की यात्रा मोदी के जीवन का सार: योगी

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां जी0पी0ओ0 स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पार्क में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। इसके पूर्व, उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज विश्व शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती और प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन भी है। आज अनन्त चतुर्दशी के पावन कार्यक्रम के साथ ही, गणपति पूजन का समारोह भी सम्पन्न हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शून्य से शिखर की यात्रा प्रधानमंत्री जी के जीवन का सार है। उन्होंने संघर्षों से आगे बढ़कर अपना एक मार्ग बनाया है। शुचिता, कर्मठता एवं ईमानदारी, राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सम्पूर्ण समर्पण का भाव उनके जीवन का हिस्सा है। उन्होंने अपना सब कुछ भारत माता के चरणों में समर्पित किया है। विगत 10 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। एक ऐसा भारत, जो आज अपनी आस्था का सम्मान कर रहा है और दुनिया में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर कर विश्व का मार्गदर्शन भी कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में विरासत और विकास ■ शेष पेज 04 पर

भारत के अमृतकाल के सारथी हैं पीएम मोदी: सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी और उन्हें सच्चे अर्थों में भारत के 'अमृतकाल का सारथी' करार दिया।

योगी ने एक्स पर लिखा, 140 करोड़ देश वासियों के जीवन को सुखमय बनाने के लिए अविराम साधनारत, विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता, 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के स्वप्न द्दष्टा, हम सभी के मार्गदर्शक, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हृदयतल से बधाई। नेशन फर्स्ट की ■ शेष पेज 04 पर

योगी ने किये बाबा विश्वनाथ के दर्शन, प्रसाद में बांटा 74 किलो का लड्डू

योगी ने रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ, वितरित किये फल

वाराणसी, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर कई कार्यक्रमों में शामिल हुए।मुख्यमंत्री ने शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय अस्पताल में रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने मरीजों को फल भी वितरित किया। योगी आदित्यनाथ ने काल भैरव मंदिर और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-हवन पूजन करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु व स्वस्थ रहने की कामना भी की।श्री मोदी के 74वें जन्मदिवस पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की तरफ से 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के अंतर्गत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। शिव प्रसाद गुप्त मडलीय चिकित्सालय कबीरचौरा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा

आतिशी बनेंगी नई सीएम

नयी दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी की विधायक दल की बैठक में आतिशी को नेता चुनने के बाद वह दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी।दिल्ली के कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने आज इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सर्वसम्मति से आतिशी को यह जिम्मेदारी दी गई है। यह जिम्मेदारी उन्हें विषम परिस्थितियों में दी गई है।

जिस तरह से भाजपा की केंद्र सरकार ने षड्यंत्र और एजेंसियों का दुरुपयोग करके आम आदमी पार्टी को खत्म करने का और दिल्ली की सरकार को तोड़ने का अभियान चलाया उनको विफल करने के लिए आप ने विधायकों की एकजुटता के साथ सरकार के कामों को जारी रखा। भाजपा चाहती थी कि श्री केजरीवाल इस्तीफा दे दें लेकिन उन्होंने लोगों के हितों के लिए जेल के अंदर से ■ शेष पेज 03 पर

केजरीवाल ने भाजपा के षड्यंत्र के कारण इस्तीफा दिया: आतिशी

मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एमएसएमई इकाइयों को वितरित किया 50,000 करोड़ का ऋण

आम लोग सुरक्षित, मगर दंगाइयों के आका परेशान

लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक के लिए जो लक्ष्य तय किए हैं, उसके लिए देश के हर व्यक्ति, उद्यमी, कारीगर, हस्तशिल्पी, नौजवान को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा। राष्ट्र के प्रति हमारा समर्पण भाव, वर्तमान के साथ भावी पीढ़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में योगदान देगा। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारत आज दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से

जाति के आधार पर बांटने वाली राजनीति से नहीं होगा: योगी

05वें स्थान पर पहुंच गयी है। हमें अगले 03 वर्षों में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। अर्थात भारत को ग्लोबल इकोनॉमिक पावर बनाना है। हमें भारत को विकसित भारत बनाने में अपना योगदान देना होगा।

मुख्यमंत्री जी आज यहां विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर एम0एस0एम0ई0 उद्यमियों को 50 हजार करोड़ रुपये के ऋण व विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा ■ शेष पेज 03 पर

योगी 19 को आयेंगे अयोध्या, देंगे 100 करोड़ की सौगात

अयोध्या, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपचुनाव को देखते हुए 19 सितम्बर को मिल्कीपुर (सु) विधानसभा का दौरा करेंगे और जिले में करीब एक सौ करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।अधिकृत सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोकार्पण और शिलान्यास का यह कार्यक्रम विद्या मंदिर इंटर कालेज के मैदान में आयोजित किया जायेगा। यहां पर मुख्यमंत्री एक जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे।इस दौरे को सुरक्षित मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के नजरिये से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आने वाले दिनों में उपचुनाव की तारीखों की घोषणा होने की भी संभावना है।

गैर भाजपा सरकारें करती थी आस्था से खिलवाड़: योगी

वाराणसी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले की सरकारें तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर चढ़कर भारत की आस्था से खिलवाड़ करती थीं। मंगलवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में विश्वकर्मा जयंती व स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम- 2024 को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि 2014 के पहले अराजकता चरम पर थी।

लोगों में विश्वास का नितांत अभाव था। देश की सुरक्षा खतरे में थी। आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद चरम पर था। भ्रष्टाचार तत्कालीन सरकार की पहचान बन चुकी थी।

युवा बेरोजगार और व्यवसाय अस्त-व्यस्त थे। बुनियादी सुविधाओं का अभाव व स्वरोजगार का कोई पुरसाहाल नहीं था। भारत दुनिया में सबसे पीछे की पंक्ति में तमाशबीन बना खड़ा रहता था। इंफ्रास्ट्रक्चर अत्यंत खराब था। ग्रामीण क्षेत्र में कनेक्टिविटी तो दूर, बुनियादी सुविधाएं भी नहीं थीं। सरकारें तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर चढ़कर भारत की आस्था से ■ शेष पेज 03 पर

सम्पादकीय

देश की बुनियाद पर प्रहार

महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए अहिंसा की नीति को अपनाना, नेहरूजी की गुटनिरपेक्ष नीति और संविधान में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका इन तीनों के बीच स्पष्ट कार्य विभाजन और एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान, ये कुछ ऐसी विशिष्ट बातें हैं, जिनके कारण भारत के लोकतंत्र की दुनिया में अलग पहचान बनी। आजादी के 75 साल बाद भी भारत का लोकतंत्र मजबूत बना हुआ है और इस पर हो रहे तमाम प्रहार विफल हुए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि भारत को बनाने वालों ने दूरदृष्टि के साथ जो विचार भारत की जड़ों में रोपे थे वो अब मजबूती से लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार भारत की इस खासियत को चोट पहुंचाने में लगी है। बीते दिनों ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजा में पहुंचे। विधायिका और कार्यपालिका से न्यायपालिका की एक सम्मानजनक दूरी होना चाहिए, लेकिन यहां वो दूरी मिटती दिखी।श्री मोदी के शासनकाल में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया, पूर्व राष्ट्रपति को एक देश, एक चुनाव समिति का मुखिया बनाया गया। अब मुख्य न्यायाधीश के घर की निजी पूजा में प्रधानमंत्री के पहुंचने से कई किस्म के सवाल खड़े हुए, लेकिन भाजपा को इसमें कुछ गलत नजर नहीं आ रहा। भाजपा को शायद इस बात में भी कोई आपत्ति नहीं है कि देश के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार अजित डोभाल रूस के राष्ट्रपति के सामने बैठकर उन्हें श्री मोदी के यूक्रेन दौरे की जानकारी दे रहे हैं। अब तक देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे से लौटते हुए ही प्रेस को अपनी यात्रा के बारे में बताते थे, ताकि उनके जरिए देशवासियों को पता चले कि हमारे प्रधानमंत्री ने किस देश में जाकर, क्या काम किया, जो हमारे लिए लाभकारी है। इसके बाद देश लौटने पर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को अपनी यात्रा का ब्यौरा देते थे।लेकिन दूसरे देश के राष्ट्रपति को इस तरह जानकारी देने का अर्थ क्या यह है कि भारत ने अपनी गुटनिरपेक्ष नीति और स्वतंत्र विदेश नीति को छोड़ दिया है। क्या अब भारत की संप्रभुता को इस तरह दांव पर लगाया जाएगा। श्री मोदी को अब यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि यूक्रेन जाने से पहले क्या उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अनुमति भी ली थी। अगर यूक्रेन जाने का फैसला श्री मोदी ने संप्रभु राष्ट्र का मुखिया होने के नाते लिया था, तो अब कौन सी मजबूरी में उन्हें एनएसए को रूस भेजकर सफाई देनी पड़ी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह भी बताना चाहिए कि विदेश मामलों में या दूसरे देशों पर कार्रवाई का फैसला अब उनके विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, केबिनेट इन सबकी सलाह से हो रहा है या भाजपा का कोई भी नेता इसके लिए बयान देने को अधिकृत है। क्योंकि त्रिपुरा में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा है कि केवल 'मुरली' से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए 'सुदर्शन' भी आवश्यक है। इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है। पाकिस्तान को मानवता का कैंसर और दुनिया का नासूर बताते हुए श्री योगी ने कहा जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है।

अग्निपरीक्षा या गुगली

केजरीवाल का दांव

कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद, आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं से अपने पहले संबोधन में ही, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें झंझोड़कर रख देने वाला एलान कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि वह दो दिन में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। और उसके बाद मुख्यमंत्री का पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा देगी। सुप्रीम कोर्ट ने तो जमानत देकर उनके ईमानदार होने पर कानूनी मोहर लगा दी है, लेकिन उन्हें लगता है कि इतना काफी नहीं है। अब वह जनता के सामने अग्निपरीक्षा देंगे और मुख्यमंत्री पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने वोट से मोहर लगाएगी। और अपनी इस त्याग मुद्रा का दायरा बढ़ाकर, इसे आम आदमी पार्टी की ही त्याग की मुद्रा बनाते हुए, केजरीवाल ने अपने इस्तीफे के फैसले के एलान में एक पेच और डाल दिया। उन्होंने एलान किया कि उन्हीं की तरह, व्यापक रूप से सरकार में नंबर-2 माने जाने वाले, उप-मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री, मनीष सिसोदिया भी इस अग्निपरीक्षा की चुनौती स्वीकार करेंगे और जनता के ईमानदार घोषित करने के बाद ही, उप-मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुनः इसी प्रसंग को और आगे बढ़ाते हुए, एक और पेच जोड़ते हुए केजरीवाल ने यह मांग भी पेश कर दी कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव, जो अगली फरवरी में होने हैं, आगे खिसका कर नवंबर में होने वाले महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के साथ करा दिए जाएं, ताकि केजरीवाल की अग्निपरीक्षा जल्दी हो जाए। कहने की जरूरत नहीं है कि दिल्ली की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा, केजरीवाल की इस गुगली से हतप्रभ रह गयी है। भाजपा के नेता, जो अब तक जेल में रहने के आधार पर केजरीवाल का इस्तीफा मांगते आ रहे थे, अचानक उनके इस्तीफे का एलान करने से समझ नहीं पा रहे हैं कि इसे अपनी कामयाबी मानें या अपनी परेशानी। यह कहने के सिवा कि केजरीवाल ने पहले ही इस्तीफा क्यों नहीं दिया, वे ज्यादा कुछ कह नहीं पा रहे हैं। हां! आखिरकार काफी कसरत के बाद उन्होंने यह नयी मांग जरूर निकाली है कि केजरीवाल और सिसोदिया ही नहीं, पूरे मंत्रिमंडल को इस्तीफा देना चाहिए! बहरहाल, मुख्य विपक्षी पार्टी की प्रतिक्रियाओं से समझना मुश्किल नहीं है कि वह समझ ही नहीं पा रही है कि इस नयी स्थिति से कैसे निपटा जाए। जाहिर है कि चुनाव जल्दी कराने की आम आदमी पार्टी की मांग ने भाजपा को और भी चक्कर में डाल दिया है।उसकी चुनाव जल्दी कराने में शायद ही कोई दिलचस्पी होगी, लेकिन चुनाव जल्दी कराए जाने का विरोध वह पार्टी कैसे कर सकती है, जो इसके दावे करती नहीं थकती है कि दिल्ली की जनता केजरीवाल की पार्टी से विश्वास उठ चुका है। बहरहाल, चुनाव जल्दी कराने के मुद्दे पर भाजपा, अपने हितों की रक्षा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकती है, जो वैसे भी केजरीवाल मनमुताबिक फैसला क्यों लेना चाहेगा? भाजपा के लिए इस मामले पर चुप लगाना ही काफी होगा। वैसे केजरीवाल ने भी विधानसभा भंग करने की सिफारिश नहीं करने और मंत्रिमंडल से जल्दी चुनाव कराए जाने का प्रस्ताव पारित नहीं कराने के जरिए, इसका इशारा कर दिया है कि वह भी जल्दी चुनाव की आम मांग को प्रचार के स्तर पर ही रखने जा रहे हैं, उससे आगे नहीं बढ़ाने जा रहे हैं।

अग्निपरीक्षा के जरिए अपना "सत" साबित करने का केजरीवाल का फैसला, एक राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक साबित होता है या नहीं, इसका फैसला तो सबसे बढ़कर दिल्ली के चुनाव में होगा। लेकिन, केजरीवाल की गुगली ने भाजपा के लिए उसके खिलाफ अपने प्रचार की बैटिंग में रन बनाना, बहुत मुश्किल बना दिया है। दिल्ली शराब घोटाले के पूरे केस में कोई सचाई होने या नहीं होने से अलग, इससे इंकार करना मुश्किल है कि इस केस में एक के बाद एक, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी तथा लंबे अर्से तक उन्हें जेल में बंद रखे जाने का, आम तौर पर इस पार्टी की छवि पर और खासतौर पर उसकी भ्रष्टाचार-विरोधी योद्धा की छवि पर, कुछ न कुछ असर जरूर पड़ा है। याद रहे कि यही छवि, मध्यवर्ग के बीच आप पार्टी के समर्थन का मुख्य आधार है। इसके साथ, दस साल से अधिक के शासन से पैदा हुई लोगों की निराशाएं जुड़कर, आप पार्टी के चेहरे पर बदहवासी की न सही, चिंता की रेखाएं लाती ही थीं। केजरीवाल ने इस दांव से एक ही झटके में, इसी गिरावट को थामने की कोशिश की है।कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा।

उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही। इससे साफ था कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आप सरकार के रास्ते में बाधाएं खड़ी किए जाने से लेकर, आप नेताओं के साथ उसके अत्याचार तक की सारी शिकायतें भी, दिल्ली के मतदाताओं को पर्याप्त रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही थीं। इस अपर्याप्तता ने ही केजरीवाल को इस्तीफे की गुगली फेंकने के लिए प्रेरित किया लगता है, ताकि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा के खिलाफ अपनी आलोचनाओं को और तीखी धार दे सके। केजरीवाल की इस्तीफे की गुगली के पीछे एक और भी कारण है। दिल्ली में, जहां उप-राज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार ने निर्वाचित सरकार के हाथ-पांव पहले ही बहुत ज्यादा बांध दिए हैं, केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के साथ लगायी गयीं राज्य सचिवालय नहीं जाने से लेकर किसी फाइल पर दस्तखत नहीं करने तक की शर्तें, व्यवहार में उनके लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करना ही बहुत कठिन बना देती थीं। ऐसे में चुनाव से चंद महीने पहले, लगातार उप-राज्यपाल से खींचतान में फंसी सरकार चलाने में उलझे रहने के मुकाबले में, केजरीवाल को यही ज्यादा फायदे का सौदा लगा होगा कि मुख्यमंत्री के पद पर अपने किसी ऐसे उत्तराधिकारी को बैठा दिया जाए, जिसके काम करने पर उतने बंधन नहीं होंगे और इसलिए चुनाव से पहले, दिल्लीवासियों के लिए हित के कुछ काम हो रहे होंगे। और खुद वह स्वतंत्रता के साथ जनता के बीच जाकर, भाजपा के विरुद्ध अभियान चलाने की स्थिति में होंगे।

फिर भी, केजरीवाल के लिए यह गुगली फेंकना भी कोई आसान नहीं था। सबसे बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी जिस तरह की चंद नेताओं पर ही केंद्रित पार्टी है, जिसके केंद्र में केजरीवाल हैं और जिसका वैचारिक आधार ज्यादा मजबूत नहीं है, संघ-भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक अभियान के सामने खासतौर पर वेध्य है। इस सब को देखते हुए चाहे अस्थायी रूप से ही हो, मुख्यमंत्री के पद के लिए अरविंद केजरीवाल के उत्तराधिकारी का चुनाव आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह से साम-दाम-दंड-भेद, सभी हथियार लेकर, आप पार्टी तथा उसकी सरकार को कमजोर करने के लिए मौके की ताक में तैयार बैठी हुई है, उसके सामने तो यह और भी कठिन हो जाता है।

झारखंड का उदाहरण सामने है। पहले गिरफ्तारी के जरिए, हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश की गयी। जब यह कोशिश नाकाम रही और मुख्यमंत्री के पद पर हेमंत सोरेन वापस भी आ गए, तो उनकी जेलयात्रा के दौरान एवजीदार मुख्यमंत्री बनाए गए चंपई सोरेन को भाजपा ने तोड़ लिया। उनके सहारे एक अलग आदिवासी पार्टी खड़ी करने की कोशिश भी जब सिरे नहीं चढ़ी तो, उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया गया। और अब खुद प्रधानमंत्री झारखंड में अपने चुनाव की घोषणा से पहले के चुनाव प्रचार में, भाजपा में नये-नये भर्ती किए गए चंपई सोरेन तथा सीता सोरेन के नाम का, झारखंड मुक्ति मोर्चा पर हमले के लिए इस्तेमाल करते देखे जा सकते हैं। अब जबकि केजरीवाल, जनमत की अग्निपरीक्षा में खरा उतरने के बाद, फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के हिसाब से चल रहे हैं, वह निश्चय ही झारखंड के घटनाक्रम की दिल्ली में पुनरावृत्ति नहीं चाहेंगे। अस्थायी उत्तराधिकारी के पद पर भी वह ऐसे उम्मीदवार को लाना चाहेंगे, जो निजी तौर पर उनके प्रति वफादार भी हो और ज्यादा स्वतंत्र होने की कोशिश भी नहीं करे।

बेशक, केजरीवाल की गुगली का जहां तक अगले महीने के शुरू में हरियाणा में होने जा रहे चुनाव पर असर पड़ेगा, भाजपा को इसका परोक्ष लाभ भी मिल सकता है। याद रहे कि भाजपा, कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने की संभावनाओं को पीठ दिखाकर, अब राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल के अब खुद जोरदार तरीके से चुनाव प्रचार में जुटने का रास्ता खुल जाने के बावजूद, हरियाणा के चुनाव में आप पार्टी के बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरने तो दूर, कोई खास असर डालने में समर्थ होने की भी संभावनाएं कम ही हैं।

एक देश एक चुनाव अमृतकाल की अमृत उपलब्धि बने

– ललित गर्ग –

नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने एक देश एक चुनाव के अपने चुनौतीपूर्ण संकल्प को लागू करने की बात कहकर राजनीतिक चर्चा को गरमा दिया है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती एवं चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रासंगिक एवं कम खचीर्ला बनाने के लिये एक देश एक चुनाव पर चर्चा होती रही है। इसको लेकर भाजपा जिस तरह बेझिझक होकर तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे अंदाजा लगाया जा रहा कि केंद्र को सहयोगी दलों का पूरा समर्थन मिल रहा। दो बड़े दलों में से एक जेडीयू ने मोदी के एक देश एक चुनाव वाले इरादे पर सहमति जता दी है। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है और उसके इस आशावाद में देश को एक नई दिशा मिल सकेगी। भारत की वर्तमान चुनावी प्रणाली में निहित कई चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा एक संभावित समाधान के रूप में उभरी है। शासन के सभी स्तरों-पंचायत, नगरपालिका, राज्य और राष्ट्रीय-में एक साथ चुनाव कराने से लागत (खर्च)-प्रभावशीलता और प्रशासनिक दक्षता से लेकर बेहतर शासन और नीति निरंतरता तक कई लाभ मिल सकते हैं। यह नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को आकार देने का मुख्य आधार बन सकता है एवं आजादी के अमृतकाल की एक अमृत उपलब्धि बनकर सामने आ सकता है।

भले ही स्पष्ट बहुमत के अभाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली-दूसरी पारी में नजर आता था। लेकिन भाजपा की सरकार इतनी भी कमजोर नहीं है कि अपने चुनावी वायदों एवं विकासमूलक कार्ययोजनाओं को लागू न कर सके। नरेन्द्र मोदी जैसा साहसी एवं करिश्माई नेतृत्व है तो उसके द्वारा देशहित की योजनाओं में आने वाले अवरोध वह दूर कर ही लेंगे। एक दशक की विकासमूलक कार्यशैली के बाद अब भी भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर अपनी योजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने में जुटी है। भले ही भाजपा-सरकार कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई।

बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को साहसिक निर्णय लेने वाली पार्टी के रूप में एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे एक राष्ट्र, एक चुनाव को आकार देने के लिये तत्पर हो गयी है। इसके लिए सरकार ने पक्ष-विपक्ष के सभी नेताओं से एक साथ आने का अनुरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ राजनीति से ज्यादा राष्ट्रहित में है।निश्चिय ही ह्यएक देश एक चुनावह्व की योजना को लागू करना राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है।

इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार-बार के चुनाव खचीर्ले होते हैं। दूसरे राज्य-दर-राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन-प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है।

यूक्रेन संघर्षः कारगर नहीं हुआ भारत का शांति प्रयास

जैसे-जैसे रूस यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के करीब पहुंच रहा है, कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा हासिल बढ़त का असर कम हो रहा है। रूस, यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के करीब पहुंचते हुए कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा हासिल की गई बढ़त को चुनौती दे रहा है। वहां कुर्स्क सैनिकों ने कई रूसी गांवों पर कब्जा कर लिया है। स्थिति में लगातार बदलाव होते रहता है। रूस ने अभी एक रणनीतिक स्थान मेमरिक गांव पर कब्जा करने की घोषणा की है जो कीव के रसद केंद्र पोक्रोव्स्क की ओर जाता है और लगभग 20 किमी दूर है। यूक्रेनी सरकार ने पहले ही पोकवोर्स्क में स्थानीय आबादी को इलाका खाली करने के आदेश दे दिए हैं जो बता रहे हैं कि दो युद्धरत देशों के बीच शांति लगातार घट हो रही है। यह भी लगता है कि शांति स्थापना के नई दिल्ली के प्रयास काम नहीं आए हैं। हालांकि पीएम मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा के दौरान शांति प्रयासों से बहुत उम्मीद नहीं की गई थी। युद्ध एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच गया है और दोनों पक्षों की ओर से राहत के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अगर पीएम की यह यात्रा उनकी पिछली मॉस्को यात्रा पर नाराजगी को शांत करने के लिए थी तो प्रधानमंत्री के मध्यस्थता के इशारे ने गुस्से को शांत करने कोशिश को कम नहीं किया बल्कि उनके यूक्रेनी मेजबान ने अपनी बाद की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इस संघर्ष के बारे में भारत के दृष्टिकोण में कई विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए जो कहा है वह उनकी नाराजगी को बताता है।

जुलाई में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के तुरंत बाद पोलैंड (21-22 अगस्त) और यूक्रेन (23 अगस्त) (यूक्रेन के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर) की पीएम मोदी की योजनाबद्ध यात्रा, रूस और यूक्रेन के बीच 30 महीने के संघर्ष में मध्यस्थता का भारत का सीधा प्रयास प्रतीत होता है। भारत ने शांति के लिए एकमात्र मार्ग के रूप में 'बातचीत और कूटनीति' का आह्वान करने में एक सुसंगत रुख अपनाया है और दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत के द्विपक्षीय समाधान के प्रयास किए और दोनों राष्ट्रपतियों जेलेंस्की और पुतिन दोनों के साथ बैठकें कीं। इस सिलसिले में आखिरी बार क्रमशः जून में इटली में जी-7 बैठक और इस साल जुलाई में मास्को में द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के मौके पर बातचीत हुई थी। शिखर बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन को गले लगाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के चित्र जब छप रहे थे उसी वक्त रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन में बच्चों के अस्पताल पर हमला किया था जिसमें कैंसर से पीड़ित बच्चे मारे गए थे जिसकी वजह से यूक्रेन के राष्ट्रपति नाराज थे। इस हमले ने पश्चिमी देशों को और नाराज कर दिया तथा नाटो की 75 वीं वर्षगांठ के लिए समय में वाशिंगटन डीसी में उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया।

उस पृष्ठभूमि के खिलाफ और दोनों बड़े शक्ति गठबंधनों के बीच अपने संतुलन कार्य को जारी रखते हुए, भारत के प्रयासों को यूक्रेनी पक्ष पर चिंताओं को दूर करने और पश्चिम के संघर्ष में जाहिर भारतीय नीति के साथ सहज महसूस करने के लिए सोचा जा सकता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसने पश्चिम खुश नहीं है क्योंकि भारत ने रूस को हमलावर के रूप में घोषित करने से परहेज किया है एवं संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कई प्रस्तावों से परहेज किया है। इसके अलावा जी-7 की बैठक के तुरंत बाद 24 जून को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन द्वारा आयोजित शांति सम्मेलन में भारत की ओर से जूनियर स्तर का प्रतिनिधि मंडल भेजा गया और बैठक की संयुक्त घोषणा पर भारत की ओर से हस्ताक्षर भी नहीं किए गए। इस सम्मेलन में 80 से अधिक देशों ने भाग लिया था। एक निष्पक्ष शांतिदूत के रूप में भारत की स्थिति को इस संघर्ष के संदर्भ में अच्छा नहीं माना गया।इस बीच, यूक्रेन द्वारा रूस के दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र पर आश्चर्यजनक आक्रमण और अधिग्रहण, द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के बाद से रूसी क्षेत्र पर पहला हमला था जिसने दो युद्धरत पक्षों के बीच मध्यस्थता के सभी प्रयासों को उलट दिया और मास्को को कतर मध्यस्थता प्रयासों को आगे नहीं बढ़ने देने में कड़ा रुख अपनाने को मजबूर कर दिया था जिसके लिए 22 अगस्त के लिए दोनों पक्षों के बीच एक आभासी बैठक होने वाली थी। 6 अगस्त को यूक्रेन का हमला रणनीति के तौर पर रूसी क्षेत्र में गहरे तक घुसना, सुद्जा शहर पर नियंत्रण करना और 80 से अधिक बस्तियों को अपने 400 वर्ग मील पर कब्जा करने को रूस के लिए एक धक्के के रूप में देखा चाहिए जो मूल रूप से रूस के साथ अपनी बातचीत की स्थिति में एक लाभ को सुरक्षित करने के लिए किया गया है। हालांकि पुतिन उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के अपने कब्जे वाले डोनेट्स्क क्षेत्र में जमीन नहीं छोड़ने के इरादे पर पक्के रहे हैं जिस पर रूस ने 22 फरवरी के आक्र मण के कुछ महीनों के भीतर कब्जा कर लिया वहां जनमत संग्रह कराया और रूसी कब्जे में किए लगभग 40,000 वर्ग मील यूक्रेनी क्षेत्र (यूक्रेन का 20प्रतिशत) को रूस में मिला दिया। कथित तौर पर यूएस-निर्मित हिमर्स रॉकेट सिस्टम का उपयोग करके सीम नदी पर तीन महत्वपूर्ण पुलों को नष्ट करने के बाद रूसी बुनियादी ढांचे और नागरिक हताहतों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए यूक्रेन 2000 रूसी युद्धबंदियों को सौदेबाजी के लिए रखते हुए अपने कब्जे वाले क्षेत्र से रूसी मुख्य भूमि को काटने में सक्षम रहा है। दोनों पक्ष अप्रिय स्थिति बनाए हुए हैं।

यूक्रेन, रूस द्वारा 2014 में कब्जाए गए क्रीमिया सहित सभी कब्जे वाले क्षेत्रों से पूर्ण रूसी वापसी की मांग कर रहा है जबकि रूस अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को छोड़ने से इंकार करते हुए यूक्रेन से स्पष्ट आश्वासन चाहता है कि वह नाटो में शामिल नहीं होगा। खासकर स्वीडन और फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के बाद पुतिन के रुख को देखते हुए रूस की स्थिति में किसी भी नरमी की उम्मीद नहीं की जा सकती है। लड़ाई के शुरूआती चरण में इस्तांबुल में बुलाई गई गुप्त मध्यस्थता वार्ता टूट गई थी क्योंकि दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल महीनों तक नहीं मिले थे। इस बीच युद्ध बेरोकटोक जारी है और आगे बढ़ते रूसी सैनिक अब पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के लिए तैयार हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोपीय राजधानियों और अमेरिका की अपनी लगातार यात्राओं में (वाशिंगटन डीसी में कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ) अपनी 10-सूत्री शांति योजना के लिए समर्थन और लड़ाई जारी रखने के लिए हथियारों की लगातार आपूर्ति की पैरवी की है जिसका बाइडेन प्रशासन ने पूरा समर्थन किया है।

शारदा-घाघरा उफान पर, गांव बने टापू

सीतापुर।

उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के गंजरी क्षेत्र में शारदा एवं घाघरा नदी की आई बाढ़ से कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से कट गया है।नदियों का पानी खेतों ,गांव की गलियों के अंदर पहुंच गया है। रामपुर मथुरा, रेउसा, तंबौर आदि क्षेत्र के लगभग 130 गांव बाढ़ प्रभावित हैं। घाघरा ने तेजी से कटान करते हुए परम गोंड एवं शंकरपुर का अस्तित्व ही खत्म कर दिया है। शारदा बैराज से एवं बनबसा बैराज से जो जल छोड़ जा रहा था आज उसमें कमी होने की संभावना है।सहायक अभियंता सिंचाई प्रखंड शारदा सीतापुर पुष्कर वर्मा ने बताया कि बैराजों से डिस्चार्ज पानी की मात्रा काम हो रही है। बसंतपुर के पास ठोकर कट जाने से यह समस्या हुई है। पानी घटने ही तत्काल कार्य कराया जाएगा। महमूदाबाद की उप जिला अधिकारी शिखा शुक्ला ने बताया कि बाढ़ प्रभावितों को लंच पैकेट दिए जा रहे हैं। मकान कटने की मुआवजा राशि भी लाभार्थियों के खातों में भेजी जा रही है। कटान पीड़ितों को अन्य भूमि पर के लिए जमीन का चिन्ह्यांकन कराया जा रहा है जल्दी ही इन लोगों को उसे भूमि का आवंटन कर दिया जाएगा। बारिश के बाद घाघरा और शारदा नदी की कटान में आने से परम गोंड, शंकरपुर का अस्तित्व ही समाप्त हो गया सहायक अभियंता ने बताया कि अब सोमवार से जल स्तर में कमी आई है और मंगलवार तक आज जलस्तर स्थिर हो जाएगा रामपुर मथुरा के क्षेत्र में घाघरा नदी में आई बाढ़ से करीब 50 गांव प्रभावित हैं अंगरोला ,आखरी, प्यार पूर्व, बाबा कुटी में पानी बह रहा है छोटे पू 'निरंजन पू'राम रूप पू', मोती पुरवा ,पीतांबर पू', बैजू पू ',शुकुलपुरवा, कोठार समेत करीब 10 गांव का आवागमन नाव के सहारे हो रहा है .

प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर हुए विविध आयोजन, प्रभारी मंत्री ने किया जिले का पहला दौरा

बाराबंकी।

पीएम नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिवस पर भाजपा के युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के द्वारा जिला अस्पताल के रक्तकोष मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान का शुभारंभ युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने रक्तदान शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उसके पश्चात जिले के प्रभारी मंत्री व प्रदेश के कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही पहुंचे और जनपद के मसौली के ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के बाद उन्होने जनप्रतिनिधियों के साथ भाजपा जिला कार्यालय पर संगठनात्मक बैठक की । बैठक के उपरांत मीडिया से बात करते हुए प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने कहा कि मेरा प्रभारी बनने के बाद आज जिले का पहला भ्रमण है यहां पर आज मेरे द्वारा कई विद्यालयों का निरीक्षण किया जहां पर सब कुछ सही मिला। उन्होने कहा कि भ्रमण के दौरान जो कमियां पाई गई उसके लिए आगे निर्देशित किया गया है मुझे पूरा विश्वास है और उम्मीद है सब सुधार होगा। प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना 74 वें जन्मदिवस को उड़ीसा राज्य मे सुभद्रा योजना की शुरूआत के साथ मना रहे हैं उनका उड़ीसा से सजीव प्रसारण भाजपा जिला कार्यालय पर भी हुआ .

एनटीपीसी में भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनी

रायबरेली, संवाददाता।

एनटीपीसी ऊंचाहार में पर्व आयोजन समिति के सौजन्य से सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती हर्षोल्लास एवं धूमधाम से सम्पन्न हुई। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबड़ा ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी पूजा-अर्चना की। अलग-अलग विभागों द्वारा भी प्लांट के विभिन्न साईटों में यंत्रों व उपकरणों की भी पूजा की गई। महाप्रबंधक (प्रचालन) राजेश कुमार ने यजमान के रूप में भगवान विश्वकर्मा का वैदिक मंत्रों के बीच में पूजन-अर्चन किया। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर संविदा श्रमिकों का उत्साहवर्धन करने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले संविदा कर्मियों को संविदाकर्मी सराहना कार्यक्रम के तहत विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान किए गए।

पूजन के पश्चात श्री छाबड़ा ने प्लांट के प्रचालन और अनुरक्षण से जुड़े सभी एनटीपीसी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मियों के खुशहाल व स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के शिल्पी एवं देवताओं के वास्तुकार माने गए हैं, जिस कारखाने में इनकी पूजा होती है उसकी उत्पादकता में ना केवल वृद्धि होती है बल्कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों का मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। इस अवसर मेरी भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना है कि वह सभी कर्मियों को कार्य-दक्षता और उन्नति प्राप्त करने का आशीर्वाद प्रदान करें। परियोजना के सभी कर्मचारियों, एजेंसियों व उनके संविदा कर्मियों के लिए भगवान विश्वकर्मा के प्रसाद के महा भंडारे का आयोजन किया गया। पूजन के दौरान महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) रवि प्रकाश अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक (रसायन) रादेश कुमार, अपर महाप्रबंधक (ऑफसाईट) पंकज कुमार, उप महाप्रबंधक एस सी श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबंधक के के सिंह व अन्य विभागों के विभागाध्यक्षों सहित यूनियन व एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कर्मचारी गणों व संविदा कर्मियों ने पूजा में भाग लिया। संपूर्ण आयोजन को धरातल पर उतारने में पर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष अनुराग गौराहा, उपाध्यक्ष सत्यवान गुप्ता व मुख्य सचिव चंद्रजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री छाबड़ा ने स्वच्छता ही सेवा के तहत उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता शपथ दिलाई तथा अपील की कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता के कार्यक्रमों में सभी लोग अधिक-से-अधिक संख्या में भाग लें।

स्वच्छता अभियान के साथ केक काटकर मनाया गया मोदी का जन्म दिवस

लालगंज रयबरेली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन दिवस के अवसर पर पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर सेवा पखवाड़ा प्रारंभ निवर्तमान विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में स्वच्छता अभियान चलाकर किया गया। भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनायेगी। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने निवर्तमान विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन दिन धूमधाम से मनाया।इस दौरान कई स्थानों पर केक काटकर एवं टीका लगाकर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छता अभियान के दौरान उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि स्वच्छता ईश्वरीय कार्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य ही भारत स्वस्थ भारत रहा है। देश की खुशहाली, समृद्धता के साथ देशवासियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भाजपा ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम दो अक्टूबर तक आयोजित कर रही है। इसी के साथ पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान में पार्टी कार्यकताओं को जुटने की अपील भी की। अब तक के सदस्यता अभियान में जुटे निवर्तमान विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह अब तक पूरे जिले में सर्वाधिक सदस्य बना चुके हैं।

खास खबर

प्रभारी मंत्री ने रक्तदान शिविर का किया उद्घाटन

रायबरेली। प्रभारी मंत्री ने राणा बेनी माधव सिंह जिला चिकित्सालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रभारी मंत्री ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान है। आपके इस प्रयास से किसी जरूर मंद व्यक्ति का जीवन बच सकता है। यह बहुत ही पुनीत कार्य है। इस तरह के शिविर लगातार लगते रहने चाहिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेंद्र सिंह, सीएमएस डॉ प्रदीप अग्रवाल, मुकेश श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र सिंह सहित जिला अस्पताल के कर्मचारीगगण उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को दिया प्रमाण पत्र

रायबरेली। प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के साथ एनआईसी रायबरेली में प्रधानमंत्री के विकास परियोजनाओं एवं शिलान्यास भुवनेश्वर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। इस अवसर पर जनपद की विभिन्न नगर निकायों में कुल 1270 लाभार्थियों के आवास स्थल पर गृह प्रवेश का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसी क्रम में प्रभारी मंत्री ने 10 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास का प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की और डूडा अधिकारियों को निर्देशित किया योजना का लाभ हर हाल में पात्र लोगो तक चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय,अपर जिलाधिकारी (प्रशा) सिद्धार्थ सहित सभी लाभार्थी उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों संग किया श्रमदान

रायबरेली। भारत सरकार के स्वच्छता अभियान के अंतर्गत प्रदेश के प्रभारी मंत्री ने जनपद रायबरेली में हाथी पार्क तिराहे पर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत स्वच्छता अभियान में अपना श्रमदान दिया। उन्होंने रायबरेली की जनता को अपने आस-पास और मोहल्लों को साफ सुथरा रखने का संदेश दिया। प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर आए मीडिया से कहा कि रायबरेली का प्रत्येक नागरिक अपने गांव और गली को स्वच्छ रखने का संकल्प ले तभी हम स्वस्थ भारत का निर्माण कर पाएंगे।

मा. प्रभारी मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताः सुरेश राही

बाराबंकी।

मा. प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। शासन की मंशानुरूप सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को अवश्य मिले। उन्होंने कहा कि जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर विकास कार्यों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित कराएं।

मा. प्रभारी मंत्री/ राज्य मंत्री, कारागार श्री सुरेश राही आज कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में समस्त जनपदस्तरीय विभागीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं कानून की समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक के दौरान मा. विधान परिषद सदस्य इंजीनियर अवनीश सिंह, मा. जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजरानी रावत, मा. विधायक कुर्सी श्री साकेंद्र प्रताप वर्मा, मा. विधायक हैदरगढ़ श्री दिनेश रावत, मा. विधान परिषद सदस्य श्री अंगद सिंह, जिलाधिकारी श्री सत्येंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें। ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए अवगत कराया गया कि विकासखंड सूरतगंज में विद्युत आपूर्ति की काफी समस्या हो रही है, इसके संबंध में अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग ने बताया कि क्षेत्र का काफी हिस्सा जंगल होने और बारिश की वजह से विद्युत तार खराब हो गए हैं। जिसकी मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से करने का कार्य किया

जाएगा। उप कृषि निदेशक द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि फर्जी खतौनी के भी कई प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिसकी जांच कराई जा रही है। मा. प्रभारी मंत्री ने पुलिस अधीक्षक को फजीर्वाडे को रोकने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने लखपति दीदी बनाए जाने पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे संबंधित समस्त सूचना मा. जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए। मा. प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाई गई हेल्थ एटीएम की क्रियाशीलता की जांच करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि जिन-जिन गांवों में अभी तक पूर्ण रूप से पाइपलाइन नहीं डाली गई है और टोटी नहीं लगाई गई है उसकी जांचकरा कर योजना से पूरे गांव को आच्छादित करें, कहीं पर भी किसी प्रकार की शिकायत न मिलने पाए। उन्होंने अधिशाषी अभियन्ता जल निगम को विधानसभावार इससे संबंधित सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाए। इसके लिए अपने स्तर से एडीओ पंचायत के माध्यम से मॉनिटरिंग करते रहें। पशुधन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने जनपद में संचालित गौशालाओं में चारा, भूसा व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मा. प्रभारी मंत्री ने ऑपरेशन कायाकल्प, पशु टीकाकरण, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, शादी अनुदान योजना, प्रोजेक्ट अलंकार, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना इत्यादि योजनाओं की समीक्षा की।

मा. प्रभारी मंत्री द्वारा प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत बन रहे आवासों का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया।

महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी।

महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश बाराबंकी जनपद की सिरौलीगौसपुर परियोजना की आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिकाओं की बैठक जनता इंटर कॉलेज बदोसराय में जिला अध्यक्ष मनीषा कनौजिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में मीडिया प्रभारी लल्लन श्रीवास्तव ने अवगत कराया सुप्रीम कोर्ट व उच्च न्यायालय में ग्रेच्युटी मामले के निर्णय में आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाओं को औद्योगिक कर्मियों की भांति माना है। इसलिए हम सभी पहली बार लगभग 50 वर्षों में विश्वकर्मा जयंती मना रहे हैं। और सरकार से मांग करते हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिकाओं को विशेष अवकाश विश्वकर्मा जयंती का प्रदान किया जाए। बैठक में जिलाध्यक्ष मनीषा कनौजिया ने मातृ बंधन योजना स्वास्थ्य विभाग व बेसिक शिक्षा विभाग की एजुकेटर की नियुक्ति प्रक्रिया निरस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की पहल शूर करने का ऐलान किया।

मुख्य न्यायाधीश मा. जस्टिस श्री अरुण भंसाली ने निर्मित 12 आवासीय परिसरो का किया उद्घाटन

बाराबंकी।

उच्च न्यायालय इलाहाबाद खंडपीठ के मुख्य न्यायाधीश माननीय जस्टिस श्री अरुण भंसाली ने जनपद के न्यायिक अधिकारियों के लिए निर्मित 12 आवासीय परिसरो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बाराबंकी जनपद के प्रशासनिक न्यायाधीश जस्टिस श्री बिपिन चंद्र दीक्षित भी उपस्थित रहे, साथ ही उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री मनोज कुमार गुप्ता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इस अवसर पर उपस्थित हुए। उपरोक्त 12 आवासीय परिसर जनपद न्यायाधीश के कंपाउंड से ही लगे हुए हैं। जिनका भूमि पूजन 3 जुलाई 2021 को तत्कालीन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस श्री डी0के0सिंह द्वारा किया गया था। परिसरों की अनुमानित लागत लगभग 9 करोड़ 44 लाख आई है।

एसडीएम ने राजस्व टीम के साथ बाढ़ क्षेत्र का किया निरीक्षण

कोटवाधाम बाराबंकी।

सरमू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है अलीनगर रानीमऊ तट बांध के भीतर बसे गांवों का एसडीएम सिरौली गौसपुर ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

अली नगर रानी मऊ तट बंध के भीतर बसे कहारनपुरवा पासिन टेपरा कुर्मिन टेपरा भौंरीकोल बघौली तेलवारी इटहुवा पूरब करोनी सनांवा सिरौली गुंग कोठीडीहा बबुरी कुंडवा इत्यादि गांवों में बाढ की स्थिति का जायजा लेने उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर प्रीति सिंह तहसीलदार नरसिंह नारायण वर्मा नायब तहसीलदार दिनेश कुमार पाण्डेय अवधेश कुमार विकास मिश्रा, रामकरण अमरेश शुक्ला आदि पंहुचकर बाढ पीड़ित परिवारों को भोजन तथा बच्चों को विस्किट वितरित किया।

तहसीलदार नरसिंह नारायण वर्मा ने बताया कि बाढ की स्थिति से निपटने के लिए हमारे राजस्व कर्मी मुस्तैद हैं नायब तहसीलदार दिनेश कुमार पाण्डेय बाढ पीड़ितों को भोजन समय से वितरित करने को लगाया गया है।

पेज 1 का शेष

आतिशी बनेंगी....

सरकार चलाई।जेल से आने के बाद उन्होंने निर्णय लिया कि वह जनता की अदालत में जाएँगे और वह जब तक दोबारा चुनकर नहीं भेजेंगे वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे।आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक में आतिशी के नाम पर मुहर लग गई है। बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार कर लिया गया। वहीं आज शाम को अरविंद केजरीवाल उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे।उल्लेखनीय है कि आतिशी आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। उन्हें अरविंद केजरीवाल का करीबी माना जाता है। मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद आतिशी को शिक्षा मंत्रालय समेत कई बड़ी जिम्मेदारी दी गईं थी। वह दिल्ली के कालकाजी से विधायक हैं। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने विधायक दल की नेता चुने जाने पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल का आभार जताते हुए कहा कि दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है और उनका नाम अरविंद केजरीवाल है।सुश्री आतिशी ने विधायक दल की नेता चुने जाने पर पत्रकारों से कहा कि मैं दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री, आम आदमी पार्टी के नेता और मेरे गुरु अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी और इसके लिए मुझ पर भरोसा दिखाया। यह केवल आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में ही हो सकता है कि पहली बार की राजनेता एक राज्य की मुख्यमंत्री बने। मैं एक सामान्य परिवार से आती हूं। अगर मैं किसी और पार्टी में होती तो शायद मुझे चुनाव का टिकट भी नहीं मिलता, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने मुझ पर भरोसा किया। मुझे विधायक, फिर मंत्री बनाया और आज मुख्यमंत्री बनने की जिम्मेदारी दी है।उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं कि अरविंद केजरीवाल ने मुझ पर इतना भरोसा किया, लेकिन आज जितना सुख मेरे मन में है, उससे ज्यादा मन में दुख भी है। दुख इसलिए, क्योंकि दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री और मेरे बड़े भाई अरविंद केजरीवाल आज इस्तीफा दे रहे हैं। मैं आज आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों और दिल्ली की दो करोड़ जनता की तरफ से कहना चाहती हूं कि दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है और उसका नाम अरविंद केजरीवाल है। भाजपा ने पिछले दो साल से अरविंद केजरीवाल को परेशान करने और उनके खिलाफ षड्यंत्र रचने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ईडी-सीबीआई जैसी एजेंसियों को उनके पीछे छोड़ दिया। उनको झूठे मुकदमे में 6 महीने तक जेल में रखा। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी।

गैर भाजपा सरकारें करती थी आस्था......

खिलवाड़ करती थीं। भारत को गौरव की अनुभूति का अवसर न प्राप्त हो, इसके लिए षडयंत्र करती थीं।उन्होने कहा कि इसके विपरीत देश ने 2014 में विकास के मामले में परिवर्तन होते देखे हैं। सामान्य सांसद भी इतना समय नहीं देता, जितना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में देते हैं। काशी की जल, थल व वायु की कनेक्टिविटी, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हुए काशी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया है। उनके नेतृत्व में भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है।योगी ने कहा कि श्री मोदी ने देश को विजन दिया है। डिजिटल इंडिया उनमें से एक है। एक ओर जहां आईआईटी चेन्नई के साथ विद्या शक्ति कार्यक्रम के जरिए पहली, दूसरी व तीसरी कक्षा के छात्रों के लिए अभिनव प्रयास प्रारंभ किया गया है। वहीं यहां के सभी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ भी हो रहा है। शिक्षा प्राथमिकता, सभ्य, सुसंस्कृति व समर्थ समाज की आधारशिला है। डीबीटी के माध्यम से देश-दुनिया में नई क्रांति और तमाम योजनाओं के माध्यम से युवा के जीवन में अनेक परिवर्तन लाया है। युवाओं की आकांक्षाओं को उड़ान के लिए नए पंख भी दिए हैं।उन्होने कहा कि सभी ने 2014 के बाद बदली हुई काशी को देखा है। जैसे काशी बदली है, वैसे ही देश-उत्तर प्रदेश में भी बदलाव आया है। यह भारत विकास- विरासत पर गौरव की अनुभूति कर रहा है। भारत के पास आज विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हुई है। सबसे फिसड्डी भारत श्री मोदी के नेतृत्व में महज दस वर्ष में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। अग्रिम तीन वर्ष में भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। 2047 का रोडमैप पीएम मोदी ने देशवासियों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। 140 करोड़ देशवासी, उप्र के 25 करोड़ लोग प्रफुल्लित हैं तो इसका श्रेय काशी को जाता है, क्योंकि संसद में मोदी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आम लोग सुरक्षित, मगर दंगाइयों के.....

ओ0डी0ओ0पी0 योजना के अन्तर्गत हस्तशिल्पियों और कारीगरों को टूलकिट वितरण कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर लाभार्थियों को ऋण के प्रतीकात्मक चेक तथा टूलकिट वितरित किए। ज्ञातव्य है कि इस प्रदेशव्यापी ऋण वितरण कार्यक्रम के माध्यम से एम0एस0एम0ई0 उद्यमियों को एस0एल0बी0सी0 के सहयोग से ऋण वितरित किये जा रहे हैं।मुख्यमंत्री जी ने विश्वकर्मा जयन्ती, अनन्त चतुर्दशी व नये भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि एम0एस0एम0ई0 विभाग द्वारा लोन मेला व टूलकिट वितरण कार्यक्रम सभी जनपदों में आयोजित किए जाएं। इस सम्बन्ध में तय समय-सीमा में व्यवस्थित रूपरेखा बनायी जाए। हमें अपने परम्परागत उत्पादों को ब्राण्डिंग के साथ जोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर पहुंचाना होगा। इसके लिए जनपदों में पी0एम0 विश्वकर्मा योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से जुड़े कारीगरों व हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षित किया जाए। उन्हें तकनीक, डिजाइन, पैकेजिंग व मार्केटिंग से जोड़ा जाए। जनपदों में पी0पी0पी0 मोड में कॉमन फैसिलिटेशन सेण्टर बनाये जाएं। डिस्ट्रिक्ट लेवल बैंकर्स कमेटी के साथ समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षित लोगों को लोन वितरित किया जाए। इन कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन से प्रदेश के युवा रोजगार से जुड़ेंगे तथा प्रदेश के निर्यात में और वृद्धि होगी।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रेटर नोएडा में ह्यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शोह्ल आयोजित करने जा रही है। आगामी 25 से 29 सितम्बर तक आयोजित होने वाला यह ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के पोटेंशियल को वैश्विक मंच पर ले जाने का माध्यम है। इस इण्टरनेशनल ट्रेड शो के माध्यम से राज्य के विभिन्न परम्परागत उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहुंच रहे हैं।

कोटवाधाम में हजारों श्रद्धालुओं ने टेका माथा

सैदनपुर बाराबंकी।

भादों मास की पूर्णिमा के अवसर पर बड़े बाबा के दरबार में हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेक विश्व मानव कल्याण की कामना किया है।मंगलवार को भादों मास की पूर्णिमा के उपलक्ष में ब्रह्म मुहूर्त की आरती से ही बडे बाबा की जय महतरिया साहेब के जयकारे से कोटवाधाम चतुर्दिक गुंजायमान रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र अभरन सरोवर में आचमन कर स्वामी जी की समाधि पर चादर प्रसाद चढा कर मनवांछित फलों की प्राप्ति एंव विश्वमानव कल्यांण की कामना के लिए अरदास किया। तत्पश्चात छोटी गद्दी के महन्त साहेब विशाल दास अमान दास राजेश बक्श दास एंव गुरु मां से आशीर्वाद प्राप्त किया। सैकड़ों लोगों ने धागा धारण कर गुरु मंत्र लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का प्रभारी मंत्री ने किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रभारी मंत्री ने प्रमाण पत्र व चाभी का किया वितरण

प्रतापगढ़।

तुलसीसदन हादीहाल सभागार में माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी द्वारा भुवनेश्वर ओडिशा से विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण, शिलान्यास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों के खाते में प्रथम किस्त के हस्तांतरण तथा आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 हेतु आवास प्लस एप लॉन्च कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया।

सजीव प्रसारण का अवलोकन अधिकारियों, पीएम आवास योजना के लाभार्थियों व जनसामान्य द्वारा देखा गया।

मा. राज्यमंत्री परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश/जनपद प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत तुलसीसदन में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, पूर्व विधायक धीरज ओझा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी व पार्टी पदाधिकारीगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने तुलसीसदन परिसर में पौधारोपण कर जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं कहा कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने प्रभारी मंत्री जी को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

चीन में बढ़ी मांग के कारण पाकिस्तानी गधों की कीमतों में आया उछाल

इस्लामाबाद, एजेंसी।

चीन से बढ़ती मांग के कारण पाकिस्तान में गधों की कीमतें बढ़कर तीन लाख पाकिस्तानी रुपये प्रति पशु हो गई है। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। चीन में गधे की खाल का इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधन और दवा उत्पादन में किया जाता है। कीमतों में अचानक वृद्धि के कारण कराची के लोकप्रिय लेहारी गधा बाजार जैसे बाजारों में स्थानीय खरीदारों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण चीन में गधे की खाल की बढ़ती मांग को माना जा रहा है।

खास खबर

पेरू में जंगल की आग से 15 लोगों की मौत

लीमा। पेरू के विभिन्न हिस्सों में लगी भीषण जंगल की आग के कारण करीब 15 लोगों की मौत हो गयी है।देश के स्वास्थ्य मंत्री सीजर वास्केज ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं छह लोग अस्पताल में भर्ती हैं जबकि 128 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अधिकारी सतर्क रहेंगे और आग से प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। पेरू के राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे सोमवार को आग से प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी जारी रखने और स्थानीय अधिकारियों और अन्य संस्थानों के साथ कार्रवाई का समन्वय करने के लिए अमेजन क्षेत्र के लिए रवाना हुए।

बंगलादेश के दो पत्रकार समेत तीन रिमांड पर

ढाका। बंगलादेश में ढाका की एक अदालत ने मंगलवार को पत्रकार मोजम्मेल हक बाबू और श्यामल दत्ता तथा एकटोरर घटक दलाल निर्मूल समिति के अध्यक्ष शहरियार कबीर को दो अलग-अलग हत्या के मामलों में सात दिन के रिमांड पर भेज दिया।द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार अदालत में कार्यरत एक सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद सनाउल्लाह ने सुबह अदालत में पेश किए जाने के बाद 10 दिन की रिमांड प्रार्थना के बाद यह आदेश पारित किया।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ढाका के भासटेक में जन विद्रोह के दौरान मोहम्मद फजलू (31) की मौत के मामले में दर्ज एक मामले में श्यामल को रिमांड पर रखा गया था।बाबू, श्यामल दत्ता को 11 सितंबर को मैमनसिंह सीमा से हिरासत में लिया गया। पीड़ित के बड़े भाई मोहम्मद सबुज (42) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, 25 पत्रकारों और 139 अन्य के खिलाफ भासटेक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया।

चुनाव जीतने के बाद अमेरिका के रूस, चीन के साथ संबंध और गहरे होंगे : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अगर वह चुनाव जीत गए तो देश के रूस और चीन के साथ संबंध और गहरे होंगे। श्री ट्रम्प ने ब्लॉगर फारूक सरमद को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं नहीं जानता कि वे दुश्मन हैं। मुझे लगता है कि हम चीन के साथ अच्छे से रह पाएंगे। मुझे लगता है कि हम रूस के साथ अच्छे से रह पाएंगे। मैं चाहता हूं कि रूस यूक्रेन में बस जाए। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव आगामी पांच नवंबर को होने वाले हैं।

कब्ज से दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है

■ सिडनी (द कन्वरसेशन)।

अगर आप गूगल पर 'कब्ज' और 'दिल का दौरा' जैसे शब्दों के बारे में जानकारी हासिल करना चाहेंगे तो एल्विस प्रेस्ली का नाम सामने आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। एल्विस को लंबे समय से पुरानी कब्ज की शिकायत थी और ऐसा माना जाता है कि वह मलत्याग करने के लिए बहुत जोर लगा रहा था, जिसके बाद उसे घातक दिल का दौरा पड़ा। हम नहीं जानते कि 1977 में तथाकथित किंग ऑफ रॉक 'एन' रोल के साथ वास्तव में क्या हुआ था। उनकी मृत्यु में संभवतः कई योगदान कारक थे, और यह सिद्धांत कई में से एक है।

लेकिन इस प्रसिद्ध मामले के बाद शोधकर्ताओं ने कब्ज और दिल के दौरे के जोखिम के बीच संबंध में गहरी दिलचस्पी ली। इसमें ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक हालिया अध्ययन शामिल है जिसमें हजारों लोगों का डेटा लिया गया है। क्या कब्ज और दिल का दौरा एक दूसरे से जुड़े हुए हैं? बड़ी आबादी के अध्ययन से पता चलता है कि कब्ज दिल के दौरे के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया के एक अध्ययन में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 540,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें पाया गया कि कब्ज वाले मरीजों में उसी उम्र के गैर-कब्ज वाले मरीजों की तुलना में उच्च रक्तचाप, दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा अधिक था। अस्पतालों और अस्पताल के आउट पेशेंट क्लीनिकों के 900,000 से अधिक लोगों पर किए गए एक डेनिश अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन लोगों को कब्ज था, उनमें दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया था।

हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं था कि क्या कब्ज और दिल के दौरे और स्ट्रोक के बढ़ते जोखिम के बीच यह संबंध अस्पताल के बाहर स्वस्थ लोगों के लिए सही होगा। इन ऑस्ट्रेलियाई और डेनिश अध्ययनों में उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवाओं के प्रभावों को भी शामिल नहीं किया गया, जिससे आपको कब्ज़ हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने उच्च रक्तचाप और कब्ज के बीच एक मजबूत संबंध पाया। उच्च रक्तचाप से पीड़ित जिन व्यक्तियों को कब्ज की भी शिकायत थी, उनमें केवल उच्च रक्तचाप वाले लोगों की तुलना में हृदय संबंधी किसी बड़ी घटना का जोखिम 34%अधिक था। अध्ययन में केवल यूरोपीय वंश के लोगों के डेटा को देखा गया। हालाँकि, यह मानने का अच्छा कारण है कि कब्ज और दिल के दौरे

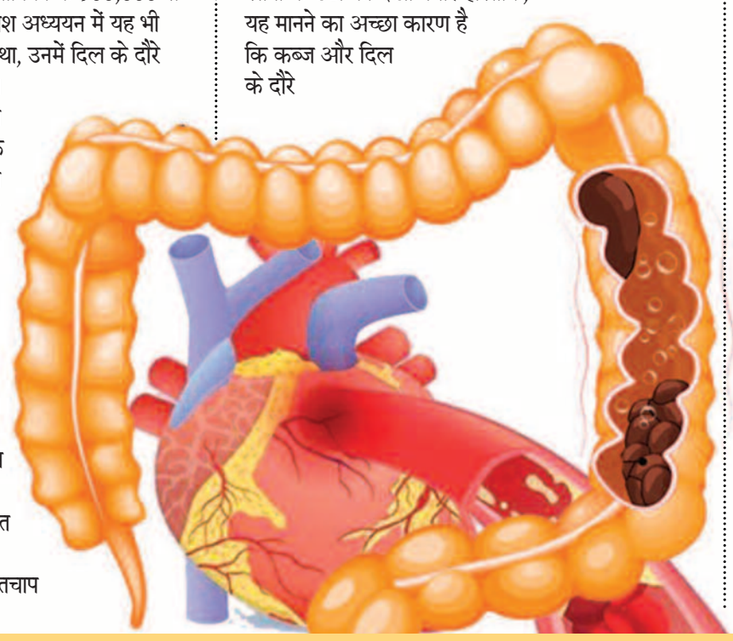

के बीच का संबंध अन्य आबादी पर भी लागू होता है।

एक जापानी अध्ययन में सामान्य आबादी में 45,000 से अधिक पुरुषों और महिलाओं को शामिल किया गया। इसमें पाया गया कि जो लोग हर दो से तीन दिन में एक बार मल त्याग करते है उनमें हृदय रोग से मरने का जोखिम उन लोगों की तुलना में अधिक होता है जो दिन में कम से कम एक बार मल त्याग करते है। कब्ज दिल के दौरे का कारण कैसे बन सकता है? पुरानी कब्ज के कारण मल त्यागते समय जोर लगाना पड़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है। दस बुजुर्ग लोगों पर किए गए एक जापानी अध्ययन में, मल त्याग करने से ठीक पहले रक्तचाप उच्च था और मल त्याग के दौरान भी बढना जारी रहा। रक्तचाप में यह वृद्धि उसके बाद एक घंटे तक रही, यह पैटर्न युवा जापानी लोगों में नहीं देखा गया।

एक सिद्धांत यह है कि वृद्ध लोगों में एथेरोस्क्लेरोसिस (प्लाक के निर्माण के कारण धमनियों का मोटा होना या सख्त होना) और अन्य उम्र से संबंधित परिवर्तनों के कारण रक्त वाहिकाएं सख्त हो जाती है। इसलिए उनका उच्च रक्तचाप तनाव के बाद कुछ समय तक बना रह सकता है। लेकिन युवा लोगों का रक्तचाप जल्दी सामान्य हो जाता है क्योंकि उनकी रक्त वाहिकाएं अधिक लचीली होती है।

नए अध्ययन के बारे में क्या ख्याल है?

मोनाश विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में हाल ही में किए गए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में कब्ज और सामान्य आबादी में दिल के दौरे, स्ट्रोक और हार्ट फेल होने के बढ़ते जोखिम के बीच संबंध पाया गया है। शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक के डेटा का विश्लेषण किया, जो यूनाइटेड किंगडम में लगभग पांच लाख लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का एक डेटाबेस है। शोधकर्ताओं ने कब्ज के 23,000 से अधिक मामलों की पहचान की और उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए दवाओं के प्रभाव का हिसाब लगाया, जिससे कब्ज हो सकता है। कब्ज से पीड़ित लोगों (मेडिकल रिकॉर्ड या प्रश्नावली के माध्यम से पहचाने गए) में बिना कब्ज वाले लोगों की तुलना में दिल का दौरा, स्ट्रोक या हार्ट फेल होने की संभावना दोगुनी थी।

भिंडरावाले संत नहीं आतंकवादी था: कंगना

मुम्बई, एजेंसी।

कंगना रनोट ने फिल्म इमरजेंसी की रिलीज में देरी को लेकर बात की है। फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट न मिलने के कारण रिलीज टल गई। साथ ही सिख संगठनों को भी फिल्म पर आपत्ति थी जिसकी वजह से फिल्म तय समय पर रिलीज नहीं हो पाई। अब कंगना ने न्यूज18 इंडिया चौपाल इवेंट में फिल्म को लेकर लोगों की आपत्ति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग जरनैल सिंह भिंडरावाले का बचाव कर रहे हैं, उन्हें मैं बता दूं कि वो संत नहीं आतंकवादी था। कंगना ने कहा, ये हमारा इतिहास है जिसे जानबूझकर छुपाया गया। हमें इसके बारे में नहीं बताया गया। भले लोगों का जमाना नहीं है। मेरी फिल्म रिलीज को तैयार है। मुझे सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है।

4 इतिहासकारों ने मेरी फिल्म को सुपरवाइज किया है। हमारे पास सारे डॉक्यूमेंट्स हैं। मेरी फिल्म में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन कुछ लोग भिंडरावाले को संत, लीडर और क्रांतिकारी कह रहे हैं। उन्होंने मेरी फिल्म को बैन करवाने की धमकी दी है। मुझे भी धमकियां मिली हैं।

पिछली सरकारों ने खालिस्तानियों को आतंकवादी कहा था। वो (भिंडरावाले) कोई संत नहीं जो मंदिर में अड47 लेकर बैठा हो। मेरी फिल्म पर बस कुछ लोगों को आपत्ति है जो कि दूसरों को भी भड़का रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि पंजाब के 99% लोगों को भिंडरावाले संत लगता होगा। वो एक आतंकी था और अगर वो आतंकी था तो मेरी फिल्म रिलीज होनी चाहिए। कंगना बोलीं-भारी नुकसान हो गया जब कंगना से पूछा गया कि क्या फिल्म की रिलीज टलने से उन्हें फाइनेंशियल नुकसान झेलना पड़ा तो उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि भिंडरावाले को आतंकी दिखाए जाने पर लोगों को आपत्ति होगी।

जुनैद खान और खुशी कपूर की जोड़ी रोमांटिक फिल्म में आयेगी नजर

मुंबई, एजेंसी।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के पुत्र जुनैद खान और श्रीदेवी-बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर की जोड़ी एक रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आयेंगी फैंटम स्टूडियो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट साझा कर इस खबर की जानकारी दी है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, क्या आप खुशी और जुनैद के साथ डिजिटल युग में प्यार का अनुभव करने के लिए तैयार हैं? 07 फरवरी 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में! अद्वैत चन्दन द्वारा निर्देशित निमार्ताओं ने एक पोस्टर भी साझा किया, जिसमें एक लड़की और लड़के को फोटो लेते हुए दिखाया गया है। फिल्म में आधुनिक रोमांस, सोशल मीडिया और मानवीय संबंधों के बीच के अंतर को दिखाया जाएगा।गौरतलब है कि अद्वैत चंदन ने आमिर खान की फि ल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' और 'लाल सिंह चड्ढा' का भी निर्देशन किया था। जुनैद आमिर खान और उनकी पूर्व पत्नी रीना दत्ता के पुत्र हैं। खुशी निमार्ता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की छोटी बेटी हैं। जुनैद ने नेटफ्लिक्स की फिल्म 'महाराज' से अपने अभिनय की शुरूआत की है जबकि खुशी ने नेटफ्लिक्स की फिल्म 'द आर्चीज' से अभिनय की शुरूआत की है।

पेज 1 का शेष

बिहार: 13 नवंबर से शुरू होगा....

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पार्टनर के साझेदारी के लिये प्रयास किया जा रहा है। प्रतिवर्ष कार्तिक मास के पूर्णिमा स्नान के साथ यह मेला शुरू हो जाता है जो पूरे एक माह तक चलता है। इस मेले के ऐतिहासिक महत्व के बारे में कहा जाता है कि इसमें कभी अफगानिस्तान, ईरान, इराक जैसे देशों के लोग पशुओं की खरीददारी करने आया करते थे। यह भी कहा जाता है कि चंद्रगुप्त मौर्य ने भी इसी मेले से बैल, घोड़े, हाथी और हथियारों की खरीददारी की थी।मेला में पक्षी मेला भी लगता है। हरिहर क्षेत्र मेले का एक बड़ा आकर्षण मीना बाजार भी होता है। यहां देश के विभिन्न स्थानों से व्यापारी अपने सामनों के साथ पहुंचते है।सोनपुर मेला की प्रसिद्धि इतनी है कि विदेशों से सैलानी इस मेले को देखने बड़ी संख्या में पहुंचते है। मेले में सैलानियों के ठहरने के लिए खास इंतजाम किये जाते है।यह मेला पहले हाजीपुर में लगता था।सिर्फ हरिहर नाथ की पूजा सोनपुर में होती थी लेकिन बाद में मुगल बादशाह औरंगजेब के आदेश से मेला भी सोनपुर में ही लगने लगा।सोनपुर का मेला अपने आप में समृद्ध विरासत को समेटे हुए है` प्राचीनकाल से लगनेवाले इस मेले का स्वरूप भले कुछ बदला हो लेकिन महत्ता आज भी वही है ।करीब 20 वर्ग किलोमीटर में फैले इस मेले की भव्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मेले के एक छोर से दुसरे छोर तक घूमते घूमते लोग भले ही थक जाए लेकिन उत्सुकता बनी रहती है ।1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के लिए बाबू वीर कुंवर सिंह ने इसी मेले से अरबी घोड़े ,हाथी और हथियारों का संग्रह किया था। सिख ग्रंथो में यह जिक्र है कि गुरु नानक यहा आये थे। बौद्ध धर्म के अनुसार अपने अंतिम समय में महात्मा बुद्ध इसी मार्ग से होकर कुशीनगर की ओर गये थे जहा उनका महापरिनिर्वाण हुआ था । सोनपुर की इस धरती पर हरिहरनाथ मन्दिर दुनिया के इकलौता ऐसा मन्दिर है जहा हरि (विष्णु) तथा हर (शिव) की एकीकृत मूर्ति है इस मन्दिर के बार में कई धारणाये प्रचलित है ।हरिहर क्षेत्र को ऋषियों और मुनियों ने प्रयाग और गया से भी श्रेष्ठ तीर्थ माना है। ऐसा कहा जाता है कि इस संगम की धारा में स्नान करने से जन्मजन्मांतर के पाप कट जाते हैं। यहाँ हाथी, घोड़े, गाय, बैल,चिड़ियों आदि के अतिरिक्त सभी प्रकार के आधुनिक सामान, कंबल, दरी,कई प्रकार के खिलौने और लकड़ी के सामान बिकने को आते हैं।मेले में कई सारी चीजें जैसे कपड़े, गहने, बर्तन,खिलौने आदि के दुकान सजते हैं। कुछ लोग मेले में करतब और खेल दिखा कर भी मेले में आए लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

नहीं चलेगा....

आए हैं कि बुलडोजर का इस्तेमाल जारी रहेगा। शीर्ष अदालत ने कहा, दो सितंबर के आदेश के बाद भी इस पर जोरदार बहस हुई है। क्या हमारे देश में ऐसा होना चाहिए? क्या चुनाव आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए? हम निर्देश तैयार करेंगे। पीठ ने कहा, हम स्पष्ट कर दें कि हमारे निर्देश होंगे। उन्हें दिशा-निर्देश कहा जा रहा है। अगली तारीख (एक अक्टूबर) तक अदालत की अनुमति के बिना ध्वस्तीकरण पर रोक होनी चाहिए।शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन, जल निकायों आदि पर कोई अनधिकृत निर्माण होने पर उसका यह आदेश लागू नहीं होगा। पीठ ने कहा, हमने स्पष्ट कर दिया है कि हम अनधिकृत निर्माण के बीच में नहीं आएंगे, लेकिन यह ध्यान रहे कि कार्यपालिका न्यायाधीश नहीं हो सकती? शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए एक अक्टूबर की तारीख मुकर्रर करते हुए कहा, अगली तारीख तक, जब तक वैधानिक रूप से अनुमति न हो, तब तक कोई तोड़फोड़ नहीं की जाएगी।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट करने से नहीं.....

अधिसूचना के बारे में बताए जाने के बाद यह टिप्पणी की।अधिसूचना में कहा गया है कि महिला डॉक्टरों की रात की ड्यूटी से बचा जा सकता है।पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस अधिसूचना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य सरकार को अपने इस फैसले को वापस लेना चाहिए और महिला डॉक्टरों को उनके पुरुष समकक्षों के बराबर काम करने देना चाहिए।उन्होंने कहा, ऐसा कैसे हो सकता है? महिलाएं रियायतें नहीं, बल्कि समान अवसर चाहती हैं...महिला डॉक्टर हर परिस्थिति में काम करने को तैयार हैं। राज्य को इसे (अधिसूचना को) ठीक करना होगा। आप यह नहीं कह सकते कि महिला डॉक्टर 12 घंटे से अधिक शिफ्ट में काम नहीं कर सकतीं और रात में नहीं...सशस्त्र बल आदि सभी रात में काम करते हैं, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर राज्य सरकार महिला डॉक्टरों को सुरक्षा देने को तैयार नहीं तो केंद्र सरकार उन्हें सुरक्षा दे सकती है।इस पर पश्चिम बंगाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार इसे (अधिसूचना) को ठीक करने के लिए अलग अधिसूचना जारी करेगी।

बुलडोजर पर शीर्ष अदालत के.....

कि 'त्वरित न्याय' की आड़ में जुल्म और नाइंसाफी के बुलडोजर से संविधान को कुचलकर भीड़ और भय का राज स्थापित किया जा सकता है लेकिन यह देश संविधान से चलता है और संविधान से ही चलेगा। अदालत ने साफ कर दिया है कि 'बुलडोजर अन्याय' स्वीकार्य नहीं है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा हम सुप्रीम कोर्ट को बधाई देते है। आभार प्रकट करते है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उम्मीद है कि बुलडोजर कार्रवाई हमेशा के लिए बंद हो जाएगी।उन्होने कहा कि न्याय के सर्वोच्च आदेश ने बुलडोजर को ही नहीं, बल्कि बुलडोजर का दुरूपयोग करने वालों की विध्वंसक राजनीति को भी किनारे लगा दिया है। आज बुलडोजर के पहिए खुल गए है और स्टीयरिंग हत्थे से उखड़ गया हैं ये उनके लिए पहचान का संकट है जिन्होंने बुलडोजर को अपना प्रतीक बना लिया था।श्री यादव ने कहा कि अब न बुलडोजर चल पाएगा, न उसको चलवाने वाले दोनों के लिए ही पार्किंग का समय आ गया है। लोकतंत्र में बुलडोजर की कार्रवाई न्याय नहीं हो सकता है। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई की कई ऐसी घटनाएं हुई हैं। जब कभी न्यायालय उन पर विचार करेगा तो उस पर सरकार के खिलाफ कार्रवाई होगी क्योंकि प्रदेश सरकार ने जानबूझकर, लोगों को डराने के लिए जबरदस्ती बुलडोजर चलाया है। इस भाजपा सरकार ने बुलडोजर को औजार के रूप में प्रयोग किया।

भारत के अमृतकाल के सारथी....

पावन भावना से ओतप्रोत, अंत्योदय के प्रण और 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की सिद्धि को समर्पित आपके जीवन का हर क्षण हमारे लिए प्रेरणा है। आपके अभिभावकत्व में वंचित को वरीयता प्राप्त हुई है। देश आज दुनिया का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में गतिशील है। हमारा लोकतंत्र दिनानुदिन मजबूत हो रहा है। आप सच्चे अर्थों में भारत के 'अमृतकाल के सारथी' हैं।उन्होंने लिखा, ₹25 करोड़ प्रदेश वासियों की ओर से प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य तथा सुदीर्घ जीवन की प्राप्ति हो और हम सभी को सदैव आपका मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे।एक अन्य सोशल मीडिया संदेश में योगी ने कहा, एनडीए सरकार 3.0 के प्रथम 100 दिवस के रोडमैप को 'स्पीड, स्केल और रिफ्लेक्शन' के मंत्र से रियल्टी में परिवर्तित कर 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने, 9.3 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ की पीएम किसान सम्मान निधि वितरण करने, 11 लाख नई लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर महिला सशक्तीकरण करने, 12 नई इंडस्ट्रियल सिटी बनाने का फैसला कर करोड़ों युवाओं के लिए रोजगार सृजन करने, 15 से ज्यादा नई मेड इन इंडिया सेमी हाई स्पीड 'वंदे भारत ट्रेन' लॉन्च करने, 15 लाख करोड़ की विकास परियोजनाओं को मंजूरी देकर जनकल्याण एवं विकास की नई कसौटी के निर्माता देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की अनंत बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम की कृपा से आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त हो।

शून्य से शिखर की यात्रा मोदी.....

की यात्रा एक साथ आगे बढ़ रही है। साथ ही, भारत की 140 करोड़ जनता की आशा और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। विगत 10 वर्षों में हमने नये भारत का दर्शन किया है। इस भारत में प्रधानमंत्री जी जैसे सारथी के रूप में एक विकसित भारत की संकल्पना के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज प्रातःकालीन सत्र में उन्हें जनपद वाराणसी में अनेक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ है। जनपद वाराणसी में रात्रि से ही वर्षा हो रही है, लेकिन लोगों के उत्साह में कमी नहीं है। कोई भी प्राकृतिक आपदा हमारे कार्य में बाधक नहीं बन सकती। आज काशी में अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों स्वच्छता, रक्तदान, मरीजों को फल वितरण कार्यक्रम के साथ ही पी0एम0 विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत टूल वितरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया। आगामी 25 सितम्बर को अन्त्योदय व एकात्म मानववाद के जनक पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी एवं 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती है। 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजित अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों के साथ हमें जुड़ना होगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के जीवन की प्राथमिकताओं में स्वच्छता है। उन्होंने स्वच्छता को महत्व दिया है। हम सभी स्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा बनें। प्रदेश में स्वच्छता के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को पूरी तरह से बैन किया गया है। हम भी इसका हिस्सा बनकर प्लास्टिक का उपयोग न करें। यह पर्यावरण के लिए खतरनाक है। प्लास्टिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालती है। इसे पूरी तरह से तिलांजलि दें। राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ जब हम सभी की भागीदारी होती है, तो वह कार्यक्रम सफलता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता है।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक जूही सिन्हा द्वारा रूद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।